हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 29 जून 2026

तापमान
अधिकतम 42.0 डिग्री
न्यूनतम 28.2 डिग्री

11 एमए अर्थशास्त्र के बाद विद्यार्थियों के लिए अनेक रोजगार व करियर के अवसर उपलब्ध

12 जिले में एचटेट परीक्षा 4 और 5 जुलाई को, 14 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

पैदल गश्त कर दी दुकानदारों को चेतावनी, खुद सामान नहीं हटाया तो पुलिस हटाएगी

शहर के अतिक्रमण पर नप सुस्त आखिर पुलिस ने संभाला मोर्चा

मोती चौक और गोकल गेट के आसपास से लेकर दूसरे बाजार भी अतिक्रमण का बने हुए हैं शिकार

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहर में अतिक्रमण की समस्या नई नहीं है। नगर परिषद की नई टीम का गठन हो चुका है। इसके बावजूद अतिक्रमण से शहर के प्रमुख बाजार पर कब्जा जमाने वालों के खिलाफ अभियान शुरू नहीं किया गया है। अब पुलिस ने लोगों को राहत दिलाने के लिए खुद अतिक्रमण करने वालों पर एक्शन लेने का निर्णय लिया है। पैदल गश्त करते हुए पहले पुलिस दुकानदारों को अतिक्रमण खुद हटाने का संदेश दे रही है। इसके बाद भी अगर अतिक्रमण करने वाले दुकानदार बाज नहीं आए, तो पुलिस उनका सामान उठाकर जब्त करने की प्रक्रिया शुरू करेगी। शहर के प्रमख बाजार लगातार अतिक्रमण का शिकार बने हुए हैं। मोती चौक और गोकल गेट के आसपास से लेकर दूसरे बाजार भी अतिक्रमण का शिकार बने हुए हैं। कई दुकानदार तो खुद पैसे लेकर अपनी दुकानों के आगे रेहड़ियां लगवाते हैं। सीमा से बाहर सड़क पर सामान रख दिया जाता है, जिससे दुपहिया वाहन चालकों से लेकर पैदल चलने वाले लोगों तक बाजार से निकलना मुश्किल बना रहता है। बाजार में सुबह से लेकर शाम तक अतिक्रमण के कारण जाम जैसे हालात बने रहते हैं। नगर परिषद की ओर से जब भी एक्शन शुरू किया जाता है, अतिक्रमण हटने क बाद बाजार खुले नजर आने लगते हैं। एक्शन रुकने के बाद आदत से लाचार दुकानदार 'फिर ढाक के तीन पात' वाली कहावत को चरित्रार्थ करना शुरू कर देते हैं। इस समय प्रमुख बाजार में दुकानदार न सिर्फ अपनी दुकानों के बाहर सीमा से ज्यादा समय पर सामान रखकर जाम को अंजाम दे रहे हैं, बल्कि पैसा लेकर रेहड़ियां भी लगवा रहे हैं।

पुलिस का सहयोग करें दुकानदार

अतिक्रमण से न केवल आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, बल्कि इससे शहर के सौंदर्यकरण पर भी असर पड़ता है। दुकानदारों का अतिक्रमण हटाने की मुहिम में पुलिस का सहयोग करना चाहिए। खुद अतिक्रमण नहीं करते हुए दूसरे दुकानदारों को भी प्रेरित करना चाहिए।
-हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी।

रेवाड़ी। मेन बाजार में पैदल गश्त करते हुए पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

20 से ज्यादा वाहनों के काटे चालान

अतिक्रमण विरोधी अभियान के साथ-साथ पुलिस ने यातायात नियमों का मखौल उड़ाने वालों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया। इस दौरान ट्रैफिक नियमों की उल्लंघन करने वाले 20 से अधिक वाहनों के चालान काटे गए। सरकार के नियमों के तहत अपनी निर्धारित अवधि पूरी कर चुके कई वाहनों को भी मौके पर जब्त किया गया, क्योंकि ऐसे वाहनों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

नप के साथ मिलकर सामान जब्त

एसएचओ सूबेसिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को शहर की यातायात व्यवस्था और सुंदरता बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दुकानदारों को केवल समझाया और सचेत किया गया है। यदि इसके बावजूद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो अगली बार नगर परिषद की टीम के साथ संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण का सामान सीधे जब्त किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी। बाजार में दुकानों के आगे से वाहन हटवाते हुए पुलिस। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। दुकान के बाहर रखा सामान हटवाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

एसपी के आदेश पर पुलिस का एक्शन

शहर में अतिक्रमण की बढ़ती समस्या को देखते हुए एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने अधीनस्थ अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते डीएसपी संजीव बल्हारा के निर्देशन में एसएचओ सिटी सूबेसिंह, एसएसआई विनोद कुमार, नरेश कुमार, हरीश कुमार व राजन सहित पुलिस टीमों ने शहर में पैदल गश्त करते हुए दुकानदारों के साथ संवाद किया। उन्होंने न सिर्फ सीमा से बाहर रखा सामान उठवाया, बल्कि भविष्य में सामान रखकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को सामान जब्त करने की चेतावनी भी दी।

दुकानदारों ने खुद समेटा सामान

पैदल गस्त के दौरान प्रबंधक थाना शहर रेवाड़ी, निरीक्षक सूबे सिंह ने अपनी टीम के साथ बाजार का दौरा किया और दुकानदारों से दुकानों के बाहर सड़कों व फुटपाथों पर रखा सामान स्वयं हटाने की अपील की। पुलिस की इस मौजूदगी और सख्त रवैये का असर तुरंत धरातल पर देखने को मिला। पुलिस कार्रवाई और सामान जब्त होने की आशंका से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई व्यापारियों ने बिना समय गंवाए अपनी दुकानों के बाहर रखा सामान तत्काल समेटना शुरू कर दिया।

सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील

अभियान के दौरान प्रबंधक थाना शहर रेवाडी निरीक्षक सूबे सिंह ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से व्यापारियों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने दुकानदारों को अपनी दुकानों के बाहर सड़क की ओर मुख किए हुए उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षक सूबे सिंह ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी और चोरी व झपटमारी जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने में बड़ी मदद मिलेगी।

खबर संक्षेप

पीओ को गिरफ्तार करने के बाद भेजा जेल

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ को गिरफ्तार किया है। मीरपुर निवासी जसबीर सिंह कोर्ट में चल रहे एक मामले में पेशी पर नहीं जा रहा था। उसके खिलाफ सदर थाना पुलिस ने वर्ष 2022 में केस दर्ज किया था। कोर्ट में पेश नहीं होने के कारण उसे पीओ घोषित किया गया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी हुए थे। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

कोसली। कोसली बाइपास रोड पर फिलिंग स्टेशन के समीप सड़क दुघर्टना में कान्हड़वास गांव के एक व्यक्ति की मौत हो गई। कोसली पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है। कान्हड़वास गांव निवासी विरेन्द्र यादव ने बताया कि उनका भाई योगेश्वर यादव शनिवार को मातनहेल अस्पताल में दाखिल अपने ससुर से मिलने के लिए रात करीब 11 बजे मोटर साइकिल पर निकला था। रात करीब 12 बजे पुलिस ने घर आकर बताया कि उनके भाई के साथ दुर्घटना हो गई है तथा उसे उपमंडल अस्पताल कोसली मे भर्ती करा दिया है। जहां से उसे रोहतक पीजीआई रैफर कर दिया गया। रोहतक पीजीआई में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

मुरलीपुर में अज्ञात गाड़ी की टक्कर से दो घायल

कोसली। मुरलीपुर गांव से गुडियानी रोड पर हुई सड़क दुघर्टना में दो कार सवार घायल हो गए। गांव निमोठ निवासी बलजीत सिंह ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार को कार से निमोठ से मुरलीपुर बारात में आए थे। कार की पिछली सीट पर मुकेश व राजेश बैठे थे। रात करीब 9 बजे कार को वाटिका की पार्किंग में लगाते समय कोसली की आरे से तेज गति से आई एक गाडी ने सीधे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उन्हें व मुकेश को चोटें आई।

नींद की झपकी आने से गाड़ी पेड़ से टकराई चालक की मौत

कोसली। गुड़ियानी अहमदपुर पड़तल रोड पर शनिवार रात हुई सड़क दुघर्टना में टाटा वाहन चालक की मौत हो गई। रोहतक जिले के गांव बलियाणा निवासी वाहन मालिक विशाल देशवाल ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि यूपी के मैनपुरी जिले के नंगली हेड़ी गांव निवासी दीपू उनकी गाड़ी पर चालक था। शनिवार रात वह भिवाड़ी के मदर डेयरी प्लांट से गाड़ी लेकर आ रहा था कि अहमदपुर पड़तल के समीप नींद की झपकी आने से गाड़ी एक पेड़ से टकरा गई।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है।
- **मुंशी प्रेमचंद**

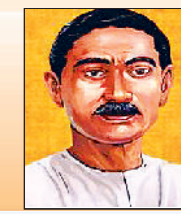

कहानी

आशा खत्री 'लता'

मेरा बच्चा कहां है

मैं रसोई में व्यस्त थी कि पड़ोस में रहने वाली मधु का फोन आया-

"दीदी जी, ये छोटा पिलूरा गाड़ी के टायर से थोड़ा चोटिल हो गया है। कृपया आप मुझे पशु पीड़ित संघ का मोबाइल नंबर दे दीजिए।"

"ओह! अरे ये कैसे हो गया? अभी देती हूं।"

मैंने तुरन्त सम्बन्धित नम्बर उसे वाट्सऐप कर दिया। मधु की आवाज से ही पता चल रहा था कि वह बहुत परेशान है। ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर वह सबसे पहले और सबसे अधिक बेचैन होती है। अतः मैं पिल्ले और मधु दोनों की अवस्था का ध्यान करते हुए तुरन्त बाहर भागी। वहां पहुंचकर मैंने देखा कि गली में खेलने वाले लगभग चार महीने के श्वान-शावकों में से अन्तिम बचा हुआ भूरू अचेत पड़ा है। हमने उसे सचेत करने की कोशिशें की। कुछ प्रयास के बाद उसने आंखें खोली तो मैंने उसे प्यार से दुलारते हुए उठने को प्रेरित किया। दरअसल, यह पिलूरा हमारे पालतू शित्जु ओकू का दोस्त बन गया था। सबके मना करने के बावजूद मैं उन दोनों को साथ खेलने देती थी। ओकू सवा साल का हो गया था। उसकी नस्ल के कुत्तों का अधिकतम कद उसने पा लिया था फिर भी वह उस चार माह के बच्चे से छोटा दिखता था। वे दोनों जब खिलारी करते तो मेरे मन को ओकू की प्रसन्नता देख सन्तोष होता। इसी कारण वह अन्य पिलूरों से अधिक प्रिय हो गया। सुबह-शाम रोटी डालते हुए मैं उसका विशेष ध्यान रखती। इस समय वही भूरू मरणासन्न अवस्था में सामने था। गाड़ी का टायर उसके ऊपर से गुजर गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि खून वगैरह नहीं निकला था, परन्तु पिछली दोनों टांगें निष्प्राण दिख रही थी।

मधु उसके लिए पानी लाई। उसने पीने की कोशिश भी नहीं की। उसकी मां, पिता और दूसरे साथी उसे देखने आये और वापस लौट गए। जैसे किसी घर में कुछ हुआ देखकर पड़ोसी झांककर निकल जाते हैं। इस बीच मैंने पशु पीड़ित संघ को फोन कर दिया। जगह बताई तो उसने अभी पहुंचने का आश्वासन दिया। पिल्ला बहुत प्रेरित करने पर उठने का प्रयास करने लगा। उसकी अगली दोनों टांगें सही थी, परन्तु पिछली टांगें मात्र घिसट रही थी, वह थोड़ा सरककर अंततः बैठ गया। लगभग दस मिनट में कुत्ता उठाने वाली गाड़ी आ गयी। वह एक छोटी जालीदार गाड़ी थी। उसमें से जो व्यक्ति उतरा, उसे देखकर भूरू दर्द में होने के बावजूद पास ही खड़ी एक गाड़ी के नीचे सरक गया। तब तक उसके अन्य साथी भी वहां एकत्रित हो गए और जोर-जोर से भौंकने लगे। जैसे उन्हें उसके आने के तात्पर्य का आभास हो गया हो। गाड़ी वाले ने रस्सी बन्धा हुआ एक लोहे का डंडा जो आगे से मुड़ा हुआ था, निकाला और उसकी मदद से घायल भूरू को कार के नीचे से बाहर खींच गाड़ी में डाला। उसके साथियों ने विरोधस्वरूप भौंकना और तेज कर दिया। ज्ञात होते हुए भी हमने अनुरोध किया कि इसके ठीक हो जाने के बाद इसे यहीं छोड़ जाना भइया। कुछ उसके प्रति स्नेह, चोट लगने की आत्मग्लानि और उसकी मां की बेचैनी देखकर हमारा ऐसा कहना स्वाभाविक ही था।

अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी।

मैंने उसे कह दिया था कि मैं कल सुबह इसे देखने आऊंगी। अतः इसका टैग वगैरह ठीक से लगा देना। गाड़ी आने से पहले मैंने उसकी छोटी सी वीडियो बना ली थी। गाड़ी वाला दरवाजा बंद कर चालक शीट पर आ गया। गाड़ी चल दी तो गली के कुत्ते पीछे दौड़ पड़े। मैं उन मूक जीवों की असहायता पर नम आंखों से मन परिवर्तन के लिए घर के बाहर स्थित छोटे से बगीचे का जालीदार किवाड़ खोलकर पेड़-पौधों को देखने लगी। तभी भूरू की मां तेजी से आयी और गमलों के आस-पास खोजने लगी। अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी। मेरी दिनचर्या है कि मैं नित्य प्रातः छः बजे पड़ोस में रहने वाली अनुपमा के साथ पशु पीड़ित शाला में जाती हूं। हम वहां गायों को रोटी देने के अतिरिक्त चारा खिलाकर पानी पिलाते हैं। हम उक्त संस्थान के उस हिस्से में जाते हैं, जहां अत्यधिक पीड़ित, बीमार, घायल पशु रखे जाते हैं। यहां अधिकांश गायें, बछड़े-बछड़ी और नन्दी आदि के साथ एक कटड़ा, दो गधे, दो बकरी तो काफी दिनों से हैं, कुछ नील गाय के बच्चे भी हैं। पशु स्वस्थ हो जाये तो दूसरे परिसर में भेज दिए जाते हैं। यह नहर के साथ बना हुआ है और नहर की दूसरी पटरी के निकट कुतों, बन्दरों व पक्षियों का आश्रयस्थल है। इसमें अनेक पक्षी, बन्दर, खरगोश तथा सैकड़ों कुत्ते हैं। यह सब एक संकल्पी, दयावान व्यक्तित्व द्वारा मूक जीवों के लिए बनाया हुआ आश्रयस्थल है। मैंने रास्ते में इस घटना का पूरा विवरण अनुपमा को बताया। अपने दैनिक कार्य से निपटकर जब हम बाहर आये तो मैंने भूरू को देखने की बात कही। वह सहर्ष तैयार हो गई। नहर पर पुल निर्माण के चलते हम जानकारी के अभाव में दूसरे पुल से घूमते हुए काफी लम्बे रस्ते से श्वान-शाला पहुंचे। वहां अपने कार्य में तल्लीन कुर्सी-मेज पर बैठे युवक से मैंने भूरू के बारे में बताते हुए उसकी हालत की जानकारी चाही। हमने देखा कि उसके मोबाइल में कल की ही तारीख में ऐसे कई कुत्तों की वीडियो थी। उसने जिस कुत्ते का चित्र दिखाया, वह भूरू से कुछ भिन्न था। ऐसे में मैंने उसकी जो वीडियो बनाई थी, वह काम आयी। मैंने उसे दिखाया तो उसने बताया कि इसका टैग नम्बर 45702 है।

हमारे आग्रह पर वह हमें उससे मिलवाने ले चला। गलियारे के दोनों ओर जालीदार बाड़ लगे परिसर में कुत्ते घूम रहे या लेटे-बैठे थे। हमें उनमें भुरू कहीं नहीं दिखाई दिया। गलियारा समाप्त होने के बाद खुले में कुछ कुत्तों को पसरे देखा।

"अरे, ये रहा हमारा भूरू" मैंने एक की ओर संकेत कर कहा।

"यह कुछ बड़ा नहीं है क्या?" अनुपमा ने शंका जताई।

"नहीं अनुपमा, यही भूरू ही है, लेटा हुआ लम्बा लग रहा है।" मैंने उसकी शंका दूर की।

हमारी बातचीत के दौरान ही उस युवक ने टैग जांचा तो वह भूरू ही था। उसमें कोई हरकत न देख मैं बोल पड़ी-

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे।

"ये ऐसे निश्चेष्ट क्यों पड़ा है ?"

"यह जिन्दा नहीं है, मैम।"

"परन्तु मुझे तो यह सोया हुआ लग रहा है ?"

"सॉरी मैम, हम इसे नहीं बचा पाये। आन्तरिक चोट बहुत गहरी थी।" भूरू नहीं रहा, यह जानकर मन अत्यधिक व्यथित हो उठा। उसकी निष्प्राण देह के समक्ष अपनी संवेदनाएं और पछतावा व्यक्त कर मैंने उसकी फोटो ली। अभी कुछ महीने पहले भी हमारी गली का ही एक कुत्ता जो भूरू से पहले इसकी मां से जन्मा था, डिस्टेम्पर की बीमारी से चल बसा था। वह शायद सात-आठ माह का रहा होगा। वह भी ओकू का बहुत प्यारा दोस्त था। वे दोनों गेट पर बैठकर जैसे बतियाते थे, खेलते थे।

मैंने उसको अंतिम बार जब पिंजरे में लेटे देखा था, वही कारुणिक दृश्य स्मरण हो आया। तभी एक युवक को बुरी तरह से घायल कुत्ते की मरहमपट्टी करते देख मन को कुछ चैन मिला। कुत्ते की मौत बहुत कष्टदायी होती है। परन्तु इन सेवकों के सहारे ये स्वस्थ होते हैं या सम्भाल के साथ जीवन पूरा करते हैं। हम लौट रहे थे तो देखा कि हम छोटे रास्ते पर ध्यान न देते हुए बिना किसी से पूछे लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करके आए थे। क्योंकि भूरू से मिलने की उत्कट चाह में इस ओर ध्यान ही नहीं गया। वापसी पर मैं और अनुपमा दुखी मन से भूरू और उसके परिवार की बातें करते रहे। हमें लग रहा था कि बढ़ते वाहन मानव सहित अन्य प्राणियों की भी मौत या अपंगता का कारण बनते जा रहे हैं। घर पहुंची तो एक विवश मां की ममता ने मेरी हृदयतन्त्री को झिंझोड़कर रख दिया।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे। अब भोंकने की आवाज सुनकर बाहर निकली तो कुछ दूर भूरू की मां और उसकी साथिन दिखाई दी। पुकारा तो दोनों दौड़ी आई। मैंने उनके सामने दही लगे रोटी के टुकड़े रखे। बड़ी ने तुरंत खाने शुरू कर दिए, परन्तु भूरू की मां ने उनकी ओर देखा भी नहीं। वह मुझे चकित करते हुए घर में घुसी और आंगन में किसी को खोजने लगी और न पाकर उदास, मायूस मेरी ओर मुंह उठाकर खड़ी हो गई, जैसे मुझसे पूछ रही हो-

'मेरा बच्चा कहां है?... कल तुमने भिजवाया था न ? तो आज उसे लेकर क्यों नहीं आई?'

मैं उसकी निरीह आंखों का सामना नहीं कर पा रही थी। तभी वह मेरे पांवों को सूंघने लगी। उसकी आंखों में दर्द ही दर्द था। होता भी क्यों न! चार बच्चों में से अकेला भूरू ही तो बचा था, वह भी इन्सानों की बेपरवाही से अकाल कालकवलित हो गया। मैंने कुछ देर उसका सिर सहलाया, फिर उदास मन और बहते आंसुओं के साथ दरवाजा खुला छोड़ अंदर चल दी।

पुस्तक समीक्षा

'नन्ही कहानियां बड़े काम' सराहनीय प्रयास

समीक्षक

डॉ मधुकांत

डॉ. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'नन्ही कहानियां बड़े काम' बाल साहित्य के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास है। यह पुस्तक केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि बच्चों के कोमल मन में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बीज बोने का एक सशक्त माध्यम है। लेखिका ने अपने अनुभवों को कहानियों के रूप में पिरोया है, जो उनकी संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। पुस्तक की शुरुआत एक भावुक भूमिका से होती है, जहां लेखिका स्पष्ट करती हैं कि बचपन केवल एक उम्र नहीं, बल्कि मन का एक संसार है। उन्होंने अपनी मां से सुनी कहानियों और बच्चों के साथ बिताए वक्त को अपनी प्रेरणा बताया है। पुस्तक में कुल 15 कहानियां संकलित हैं, जिनमें 'होली की मिठास', 'काकी की बकरी', 'मेहनती चिड़िया' और 'सच्ची दोस्त' जैसे शीर्षक शामिल हैं। ये कहानियां रोजमर्रा की घटनाओं से जुड़ी हैं, जिससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रथम कहानी 'होली की मिठास' भाई-बहन के बीच के मनमुटाव और फिर सुलह की एक बेहद प्यारी कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे छोटे बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है और फिर वे अपनी मासूमियत से उस गलती को सुधार कर बड़ों का दिल जीत लेते हैं। यह कहानी बच्चों को माफी माँगने और मिलजुल कर त्योहार मनाने की प्रेरणा देती है। इसी तरह अन्य कहानियां भी परोपकार, त्याग, लालच से बचाव और मेहनत जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को सरल भाषा में समझाती हैं। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध और प्रवाहमय है। छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है ताकि बच्चे स्वयं भी इसे पढ़ सकें और समझ सकें। कहानियों का परिवेश भारतीय है, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। पुस्तक का आकर्षक आवरण और भीतर दिए गए श्वेत-श्याम चित्र कहानियों को जीवंत बनाते हैं। चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार देते हैं और उन्हें कहानी के पात्रों के करीब ले जाते हैं। कौशिक पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मुद्रण साफ-सुथरा है। 'नन्ही कहानियाँ बड़े काम' अपने नाम को सार्थक करती है—ये कहानियाँ भले ही नन्ही और संक्षिप्त हैं, लेकिन इनका प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में बहुत बड़ा और दूरगामी सिद्ध हो सकता है। यह पुस्तक विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह पुस्तक हर उस घर और पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती है। यह नन्हे मन को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली एक उत्कृष्ट कृति है।

डॉ. अंजना गर्ग
लेखिका

कवि कॉर्नर

कविता | **सुधीर ढांडा**

छोटी-छोटी बातें

छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते टूट जाते हैं,
ये कैसी हवा चली पल में परिवार बिखर जाते हैं।

जरा सी भी सुनता नहीं कोई एक दूसरे की अब,
माँ बाप कुछ कह दे पल मे बच्चे रूठ जाते हैं।

हँसी मजाक करना भी छोड़ गए एक दूसरे से लोग
किसी से मजाक कर लिया तो लोग दुश्मन बन जाते हैं।

भाई से भाई इतना हो गया हैं दूर जैसे जानते ही नहीं
जमीं के छोटे टुकड़े को लेकर आपस में हो खून जाते हैं।

सोच आखिर कैसे बचेंगे ये आपसी रिश्ते सुधीर,
टूटते रिश्ते देखकर लिखने को हो मजबूर जाते हैं।

कविता | **मनीषा मंजरी**

दर्द की निरंतरता

ठहरना मुझको आता नहीं,
बहाव साथ ले जाता नहीं,
लहरें टकराती हैं मुझसे,
पर सागर पास बुलाता नहीं।

सूरज तो सजता है हर दिन क्षितिज पर,
लेकिन अंधेरों से मेरे लड़ पाता नहीं,
एक दीया चौखट पर जलाऊं भी कैसे,
कि आँधियों को मेरी वो भाता नहीं।

मोती उम्मीदों के मिलते हैं बहुत,
पर वो धागा चाहतों को बुन पाता नहीं,
खफा हो जाऊं अतीत से अब मैं,
पर पल आज का मुझको लुभाता नहीं।

शहर बारिश में डूबा पड़ा है, बस बादल है
की आँखों तक मेरी पहुँच पाता नहीं,
कहीं दूर एक बंजर भूमि खड़ी है,
भावनाओं का द्वन्द अब जिसे रुलाता नहीं।

एक धुंआ है जिसमे सबकुछ छुपा है,
और एक सच है जो कोई जान पाता नहीं,
कभी देख पाए खुद की गलती ये इंसा,
ऐसा शीशा किसी को नजर आता नहीं।

जिसे वीरानों की तालाब हो, महफिलों का
शोर उससे सहन हो पाता नहीं,
एक रास्ता है जिस पर साथ चलते तो सब
हैं, पर जो गिरे तो हाथ को बढ़ाता नहीं।

कहानी वो दिलचस्प बहुत थी कि,
वो किरदार खुद को अब बचाता नहीं,
दर्द की निरंतरता हीं ऐसी थी, कि जख्म
उसका कभी पूरा भर पाता नहीं।

देश का भविष्य मोबाइल की गिरफ्त में

बचपन | **आसिम अनमोल**

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहां घूमने जाएंगे और कहां नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियां को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा-पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियां में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दुःखद है।

बच्चे जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियां में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने-समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। बच्चों की नाज़ुक मानसिकता पर जब इस बित्ते भर के मोबाइल का सुनियोजित तरीके से गलत प्रभाव पड़ता है ,तो बच्चे यह सोचने में पूरी तरह नाकाम हो जाते हैं कि उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ हो सकता है जिसकी भरपाई बरसों बरस तक नहीं की जा सकती। बच्चों के जीवन को पूरी तरह हाइजेक कर रहा मोबाइल अब अपनी मर्ज़ी से बच्चों को बिगाड़ने पर आमादा है। इसी कारण बच्चें भी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं ,और बच्चों की शिक्षा बुरी तरह बाधित हो रही है।

सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की ज़रूरी आवाजे भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता-पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे-छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की जिंदगी तबाह कर दी है। इसीलिए बच्चों के अंदर तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के बिहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चे इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के ग़ुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आखिर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं।

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चे अपने ही माता-पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए, वो नाज़ुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं, उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिखर तक पहुंचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियां जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज्यादा देर तक रात को जागना भी जिम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र-छात्राएं स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं। बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है।

मोबाइल के अंदर आभासी दुनिया की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी जिम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नज़रे मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर - पचहत्तर बार जाती हैं, जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीज़ों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियां के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत ज़रूरी है।

कुछ हटकर

एसईओ कंटेंट राइटिंग: डिजिटल युग का सबसे उभरता करियर

सेंट्रल डेस्क

डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ आर्ट और मानविकी के छात्रों के लिए भी रोजगार के नए अवसर तेजी से उभर रहे हैं। इनमें एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) कंटेंट राइटिंग युवाओं के लिए एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर सामने आया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां भाषा पर पकड़, रचनात्मक सोच और डिजिटल तकनीक की समझ का मेल होता है। आज कंपनियां, मीडिया संस्थान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपनी ऑनलाइन मौजूदगी मजबूत करने के लिए एसईओ कंटेंट राइटर्स की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में कला और मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार दोनों की बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

ये है अर्थ

एसईओ कंटेंट राइटिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें ऐसा लेख, ब्लॉग या वेब कंटेंट तैयार किया जाता है जो पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ गूगल जैसे सर्च इंजन में भी बेहतर रैंक प्राप्त कर सके।

12वीं के बाद रोडमैप

बीए या कोई भी स्नातक कोर्स करें। एसईओ और डिजिटल मार्केटिंग का ऑनलाइन कोर्स करें। ब्लॉग लिखने की नियमित प्रैक्टिस करें।

मुख्य कार्य

- ब्लॉग और आर्टिकल लिखना
- वेबसाइट कंटेंट तैयार करना
- कीवर्ड का सही उपयोग
- मेटा टाइटल व डिस्क्रिप्शन बनाना
- कंटेंट को सर्च इंजन के अनुसार ऑप्टिमाइज करना

आवश्यक कौशल

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़
- रिसर्च करने की क्षमता
- डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी समझ
- कीवर्ड रिसर्च का ज्ञान
- रचनात्मक और सरल लेखन शैली
- एआई टूल्स के साथ काम करने की क्षमता

रोजगार के अवसर

- न्यूज वेबसाइट और मीडिया हाउस
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां
- ई-कॉमर्स कंपनियां
- हेल्थ और एजुकेशन पोर्टल
- स्टार्टअप कंपनियां
- कॉर्पोरेट वेबसाइट-ब्लॉगर

आय-सीमा :

- फ्रेशर 15,000 से 25,000 रुपये-2-3 वर्ष अनुभव 30,000 से 50,000 रुपये-अनुभवी प्रोफेशनल 60,000 से 1 लाख से अधिक-फ्रीलांसर 500–5000 रुपये प्रति लेख-अनुभवी लेखक 50,000–1 लाख+ मासिक भी कमा सकते हैं।

क्यों बढ़ रही मांग

- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि
- डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता बाजार
- ऑनलाइन कारोबार का विस्तार
- हिंदी कंटेंट की बढ़ती मांग
- एआई के दौर में भी गुणवत्तापूर्ण मानवीय लेखन की जरूरत

आने वाले वर्षों में डिजिटल कंटेंट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में एसईओ कंटेंट राइटिंग रोजगार परक विकल्प के साथ ही रचनात्मक युवाओं के लिए घर बैठे करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

मोटिवेशनल

दूसरों की चमक में अपनी पहचान मत खोइए

डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

आज का दौर तुलना का दौर बन गया है। जैसे ही हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू करते हैं, हमें लोगों की कामयाबी, विदेश भ्रमण, नई गाड़ियां या उनकी आलीशान लाइफ स्टाइल दिखने लगती है। अनजाने में ही हम अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों के साथ करने लगते हैं। मन में यह विचार आने लगता है कि शायद हम पिछड़ रहे हैं, हमारी कामयाबी छोटी है और हमारा जीवन उतना खास नहीं है। मगर वास्तविकता यह है कि हर चमकती फोटो के पीछे एक ऐसी कहानी छिपी होती है, जिसे लोग नहीं देख पाते। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना सही है, पर इस वजह से अपना आत्मविश्वास और अपनी पहचान खो देना एक बड़ी गलती है। तुलना करने का सबसे बुरा असर यह होता है कि यह धीरे-धीरे हमारी खुशियाँ छीन लेती है। जब हम लगातार दूसरों की सफलता को ही जीवन का मानक मान लेते हैं, तब हम अपने पास मौजूद चीजों का लुत्फ उठाना भूल जाते हैं। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर इंसान का जीवन, हालात और उसकी राह अलग होती है। कोई इंसान कम उम्र में कामयाब हो जाता है, तो कोई लंबा संघर्ष करने के बाद अपनी मंजिल पाता है। इसलिए किसी दूसरे की उपलब्धियों के आधार पर अपने जीवन को आंकना सही नहीं है। जिंदगी कोई मुकाबला नहीं है जहाँ सबको एक ही समय पर एक ही लक्ष्य पाना हो। आज के समय में जरूरत इस बात की है कि हम दूसरों से मुकाबला करने के बजाय अपने बीते हुए कल से मुकाबला करें। यदि हम कल के मुकाबले आज बेहतर सोच रहे हैं, नया सीख रहे हैं और एक बेहतर इंसान बन रहे हैं, तो यही असली सफलता है। जब हम अपनी खूबियों को पहचानते हैं और अपनी कमियों को अपनाते हैं, तब हम दूसरों की चमक से प्रभावित होने के बजाय खुद को और बेहतर बना पाते हैं।जीवन की वास्तविकता यही है कि हर व्यक्ति खास है। हमारी पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मूल्यों, व्यवहार और जीने के ढंग से होती है। इसलिए दूसरों की चमक देखकर खुद को छोटा न समझें। अपने सपनों पर भरोसा रखें, अपने सफर का आदर करें और अपनी छोटी-बड़ी प्रगति का आनंद लें।

लघु कथा

जाहिल

कायनात की मैटरनिटी लीव समाप्त हो चुकी थी। आज उसे सरकारी अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में फिर से ड्यूटी जॉइन करनी थी। सुबह की भागदौड़ में वह अपनी नन्ही बेटी अदा को भी तैयार कर रही थी। टिफिन पैक करते हुए उसने पति जहीर से कहा, "प्लीज़, मेरी हेल्प कर दो और अदा का डायपर बदल दो।"

जहीर ने हिचकिचाते हुए मना कर दिया।

प्रतिभा सुमन 'रजनीगंधा'
कहानीकार

कायनात ने सोचा कि शायद वह इस काम में सहज नहीं है, इसलिए बिना बहस किए उसने स्वयं बेटी को तैयार किया, बेबी बैग उठाया, टैक्सी बुलाई और अस्पताल चली गई। लेकिन जहीर का व्यवहार उसके मन में दिनभर सवाल बनकर घूमता रहा।

रात को उसने शांत स्वर में पूछा, "सुबह तुमने अदा का डायपर बदलने से इनकार क्यों किया?"

जहीर का उत्तर सुनकर कायनात के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसकी बातों से उसे महसूस हुआ कि पति की सोच असामान्य और अत्यंत चिंताजनक है। उसने यह भी समझ लिया कि यह केवल एक घरेलू बहस नहीं, बल्कि उसकी बेटी की सुरक्षा और भविष्य का प्रश्न है। कायनात ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन जहीर अपनी बात पर अड़ा रहा। उस क्षण कायनात के सामने पत्नी होने से पहले एक माँ का दायित्व खड़ा था। उसने बिना देर किए अदा के कपड़े समेटे, टैक्सी बुलवाई और बेटी को गोद में लेकर घर छोड़ दिया। पूरे रास्ते वह अदा को सीने से लगाए रही। उसकी आंखों में आँसू थे, लेकिन मन में एक दृढ़ विश्वास भी था कि किसी भी मां के लिए अपने बच्चे की सुरक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उसने अपने पिता को फ़ोन मिलाया और उनसे सहायता मांगी। कायनात जानती थी कि यह निर्णय आसान नहीं है। एक परिवार टूट रहा था, लेकिन वह यह भी समझ चुकी थी कि जहां विश्वास समाप्त हो जाए और बच्चे की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग जाए, वहां समझौता नहीं, साहस आवश्यक होता है। कभी-कभी जीवन की सबसे कठिन राह ही भविष्य की सबसे सुरक्षित मंज़िल बन जाती है।

खबर संक्षेप

गैर इरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कोसली। थाना कोसली पुलिस ने मई माह में दर्ज गैर इरादतन हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक व्यक्ति की मौत के बाद गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था। मृतक के परिजनों ने मौत के पीछे लापरवाही करार दिया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में महेंद्रगढ़ के करीरा निवासी धर्मपाल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले का आरोपी अभिरक्षा में

जाटूसाना। रोहड़ाई थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने अस्पताल में दाखिल घायल के बयान पर 22 मई को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित ने दूसरे पक्ष पर मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। मामले की जांच के बाद एक गांव निवासी नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया।

हुड़दंबाजी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंबाजी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि पोसवाल चौक पर शराब ठेके पास कुछ लोग हुड़दंगबाजी कर रहे हैं। इससे आसपास के लोगों की शांति भंग हो रही है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान एमपी के बमौरी निवासी महेश कुशवाहा व सरस्वती विहार निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई है।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दो वर्ष पूर्व दर्ज कराई गई विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने 4 मार्च को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

विद्यार्थी आईजीयू में 30 तक कर सकते हैं आवेदन, मेरिट के आधार पर होगा एडमिशन

एमए अर्थशास्त्र के बाद विद्यार्थियों के लिए अनेक रोजगार व करियर के अवसर उपलब्धः प्रो. सतीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एमए अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश मेरिट के आधार पर किया जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. सतीश कुमार ने कहा कि विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को आर्थिक समस्याओं के विश्लेषण, नीति निर्माण, शोध कार्य तथा आधुनिक आर्थिक चुनौतियों को समझने के लिए सक्षम बनाना है। विभाग विद्यार्थियों को शोध गतिविधियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

प्रोफेसर सतीश कुमार
रेवाड़ी। मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय। फोटो :हरिभूमि

अर्थशास्त्र में करियर के व्यापक अवसरः आज के वैश्विक और प्रतिस्पर्धी दौर में अर्थशास्त्र एक ऐसा विषय है, जिसकी उपयोगिता लगभग प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ती जा रही है। एमए अर्थशास्त्र के बाद विद्यार्थियों के लिए अनेक रोजगार एवं करियर के अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी सेवाओं में अवसरः एमए अर्थशास्त्र के विद्यार्थी भारतीय आर्थिक सेवा, भारतीय रिजर्व बैंक, नीति आयोग, विभिन्न मंत्रालयों, सरकारी आयोगों तथा सार्वजनिक उपक्रमों में आर्थिक विशेषज्ञ, शोध अधिकारी और नीति विश्लेषक के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त यूपीएससी, एचपीएससी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अर्थशास्त्र विषय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्रः राष्ट्रीयकृत और निजी बैंक, बीमा कंपनियां, वित्तीय संस्थान तथा निवेश कंपनियां अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को आर्थिक विश्लेषक, वित्तीय सलाहकार, क्रेडिट विश्लेषक और जोखिम प्रबंधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर प्रदान करती हैं।

कॉर्पोरेट एवं उद्योग क्षेत्रः बड़ी कंपनियों और बहुराष्ट्रीय संस्थानों में बिजनेस एनालिस्ट, मार्केट रिसर्च एनालिस्ट, डेटा एनालिस्ट तथा आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्य करने की संभावनाएं उपलब्ध हैं। कंपनियां बाजार की स्थिति और आर्थिक रुझानों को समझने के लिए अर्थशास्त्र विशेषज्ञों की सेवाएं लेती हैं।

शोध एवं शिक्षण क्षेत्रः एमए के बाद विद्यार्थी नेट, जेआरएफ तथा पीएचडी के माध्यम से विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शोध संस्थानों और थिंक टैंक में प्राध्यापक तथा शोधकर्ता के रूप में अपना करियर बना सकते हैं।

डेटा विश्लेषण एवं नई संभावनाएं

वर्तमान समय में डेटा आधारित निर्णय प्रणाली के कारण डेटा एनालिटिक्स, पॉलिसी रिसर्च, आर्थिक मॉडलिंग और विकास अध्ययन जैसे क्षेत्रों में भी अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। विद्यार्थी विवि की आधिकारिक वेबसाइट अथवा अर्थशास्त्र विभाग के शिक्षक प्रो. सतीश कुमार, विकास बतरा, देविंद्र सिंह व रितु कुमारी से संपर्क करके जानकारी ले सकते है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में अवसर

विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, संयुक्त राष्ट्र, एशियाई विकास बैंक तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में भी अर्थशास्त्र के विशेषज्ञों की मांग रहती है।

सिपाही से मुख्य सिपाही के लिए 590 जवानों ने दी बी-1 परीक्षा 225 जवान हुए उत्तीर्ण

रेवाड़ी। परीक्षा केंद्र पर आईजी का स्वागत करते एसपी व डीएसपी।

रेवाड़ी। पुलिस विभाग में सिपाही से मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नत होने के लिए विभागीय परीक्षा बी-1 का आयोजन किया जाता है। बी-1 परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जवानों को पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में परीक्षण दिया जाता है। परीक्षण उत्तीर्ण करने के बाद जवानों को मुख्य सिपाही के पद पर पदोन्नत किया जाता है। रविवार को राज इंटरनेशनल स्कूल की कंप्यूटर लेब में रेंज स्तरीय बी-1 परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में जिला रेवाड़ी, पलवल, नूंह व महेन्द्रगढ़ के जवानों ने भाग लिया। ऑनलाइन परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले जवानों को परेड की परीक्षा से भी गुजरना होगा। उसमें सफल होने वाले प्रतिभागियों का मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा। चेयरपर्सन आईजीपी साउथ रेंज ओम प्रकाश नरवाल ने बी-1 की ऑनलाइन परीक्षा का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा, डीसीपी ट्रैफिक गुरुग्राम प्रतीक गहलोत व डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह भी मौजूद थे। परीक्षा को सफल बनाने के लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई गई। बी-1 परीक्षा कंप्यूटर पर ऑनलाइन एक विशेष सॉफ्टवेयर पर आयोजित की जाती है, जिसमें बहुविकल्पीय 140 प्रश्न आते है। परीक्षा में पुरुष व महिला सिपाही दोनों शामिल है। प्रत्येक प्रश्न का एक अंक होता है तथा नेगेटिव मार्किंग भी है। परीक्षा को उत्तीर्ण करने के लिए प्रतिभागी को 70 अंक लेने होते है। बी-1 परीक्षा में साऊथ रेंज के रेवाड़ी, पलवल, नूंह व महेन्द्रगढ़ जिले के 590 जवानों ने हिस्सा लिया, जिसमें 225 जवान उत्तीर्ण हुए है।

प्रकृति की सुंदर छटा, खिले हुए रंग-बिरंगे फूल हमें परमात्मा की अनुभूति कराते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को जवाहर लाल नेहरू पार्क में जीवन में सकारात्मकता लाने वाले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि नेहरू पार्क सुधार समिति के प्रधान रामचन्द्र अग्गी, सचिव एडवोकेट मधुसुदन शर्मा व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि प्रकृति की सुंदर छटा, खिले हुए रंग-बिरंगे फूल, हवा में लहराती वृक्षों की डालियां तथा आसमान में पल-पल बदलते बादलों के आकार हमें हर समय परम पिता परमात्मा की अनुभूति कराते हैं। मानव जितना प्रकृति से दूर होता जा रहा है, उतना उसके जीवन में डिप्रेशन, चिंता व अनेकों तरह के मानसिक रोग स्थान लेने लगे हैं। अगर सभी अमृत वेला में पार्क में सैर करने जाए तो स्वाभाविक रूप से मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अधिकतर बीमारियों का कारण आलस व चिंता करना रहता है। समाजसेवी राजेन्द्र सिंह यादव चांदावास वाले, शिक्षाविद् प्रो. सीएल सोनी, पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य व उपप्रधान हेमंत ग्रोवर ने कहा कि वर्तमान की जीवन शैली में हम मोबाइल को दोषी ठहराते हैं। मोबाइल तो एक यंत्र है, उसका सदुपयोग तथा दुरूपयोग हमारे हाथ में है। इस मौके पर परवीन ठाकुर, प्रीती राव, राजेश, स्नेहा व पीहू ने सभी को भगवान के भजनों पर एरोबिक्स कराया। हैल्थ एंड वेलनेस कोच डा. सपना यादव ने सभी को योगासन व प्राणायाम का अभ्यास कराया व गर्मी के मौसम में स्वस्थ रहने के उपयोगी टिप्स दिए। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवा करने पर नेहरू पार्क सुधार समिति के कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता, उपप्रधान के के शर्मा, मीडिया प्रभारी उमेश शर्मा, समाजसेवी राजेन्द्र गेरा व उपप्रधान कुलदीप सोनी को सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

पूर्व नगर परिषद प्रधान सरोज भारद्वाज, शिक्षाविद प्रीती कपूर, सतपाल शास्त्री, रोहित गेरा, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, सोनिया कपूर, कौशल गुप्ता, गोपाल सहगल व आदर्श राजपाल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

आईजीयू में 30 जून तक आवेदन, 20 सीटों पर दाखिले

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए मास्टर ऑफ सोशल वर्क पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि मास्टर ऑफ सोशल वर्क एक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं की समझ विकसित करने के साथ-साथ उन्हें संवेदनशील एवं पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में तैयार करना है। पाठ्यक्रम में सामाजिक विकास, सामुदायिक संगठन, परामर्श, सामाजिक अनुसंधान तथा फील्ड वर्क पर विशेष बल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर कार्यशालाओं, सेमिनारों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों, सामुदायिक भ्रमण एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभागाध्यक्ष ने बताया कि मास्टर ऑफ सोशल वर्क पाठ्यक्रम में कुल 20 सीटें उपलब्ध हैं। प्रवेश केवल मेरिट के आधार पर किया जाएगा तथा किसी प्रकार की प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

भाविप ने लगाया शिविर, लोगों न स्वैच्छा से किया रक्तदान

रेवाड़ी। भारत विकास परिषद जिला शाखा की ओर से संस्था के प्रणेता डा. सूरज प्रकाश के जन्मदिन पर सरकुलर रोड स्थित निजी अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. अंकिता यादव, डा.राहुल सिंगला, ह्यूमन वैलफेयर ट्रस्ट से बलजीत सैनी, भाविप दक्षिण प्रांत के प्रांतीय संयोजक पर्यावरण मुकेश सैनी और जिला समन्वयक सुनिल भार्गव ने संयुक्त रूप से किया।

पुलिस मामले की जांच कर रही है

डिप्रेशन की शिकार महिला ने फांसी लगाकर जान दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साधुशाह नगर में किराए के मकान में रह रही टांकड़ी की करीब 22 साल की महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका के मायके पक्ष के लोगों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम करा दिया। बताया जा रहा है कि डिप्रेशन के कारण महिला ने यह कदम उठाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टांकड़ी निवासी रविंद्र लगभग तीन माह पहले ही गांव से आकर किराए के मकान पर रहने लगा था। उसने मकान में ही बर्तनों की दुकान की हुई है, जिसे उसकी पत्नी मोनिका चलाती थी। रविंद्र कोई और काम करता था। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह मोनिका ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। उसके पति को तुरंत इसका पता चला, तो वह उसे फांसी के फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद सिटी थाना प्रभारी सूबेसिंह पुलिस टीम के साथ पहुंच गए। घटनास्थल पर सीएफएल की टीम को बुलाया गया। मृतका के मायके पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस के अनुसार मोनिका कुछ दिनों से डिप्रेशन का शिकार थी, जिसके चलते उसने सुसाइड कर लिया। उसके पिता से बातचीत करने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा।

जल्द गांव आने का किया था वादा

एसएचओ सूबेसिंह ने बताया कि मोनिका को घर में कोई परेशानी नहीं थी। उसकी करीब पांच साल की बेटी भी है। मोनिका की सगी बहन भी उसी के घर में शादीशुदा है। उसने दो दिन पहले ही फोन पर बहन से बात करते हुए गांव में जल्द आने का वादा किया था। इसके बावजूद उसका इस तरह से सुसाइड करने का कदम पूरे परिवार को परेशान कर रहा है।

बीपीएल श्रेणी की किशोरियों को निःशुल्क मिलेंगे सैनिटरी नैपकिन

रेवाड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से महावारी स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत संचालित महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के तहत 10 से 45 वर्ष आयु वर्ग की बीपीएल श्रेणी की किशोरियों एवं महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना के तहत महिलाओं और किशोरियों को 31 जुलाई तक निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर सैनिटरी नैपकिन के लिए अपनी मांग दर्ज करानी होगी। विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि यदि किसी लाभार्थी को ऑनलाइन आवेदन करने में परेशानी हो तो वह अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र पर भी संपर्क कर आवेदन कर सकती है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि योजना का उद्धेश्य मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देना और किशोरियों व महिलाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक स्वच्छता प्रबंधन की सुविधा देना है। उन्होंने बताया कि जिले में करीब 1 लाख 18 हजार 888 बीपीएल परिवार है, जिनकी महिलाओं व किशोरियों को योजना से जोड़ा जा रहा है।

पंजीकरण कराने के बाद पात्रों को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक बार पंजीकरण कराने के बाद लाभार्थी का योजना में नाम दर्ज हो जाएगा, जिसके बाद उन्हे लगातार सुविधा का लाभ मिलता रहेगा।

पुलिस ने लौटाए किसान के गुम हुए डेढ़ लाख रुपये, परिवार ने किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मॉडल टाउन थाना पुलिस ने किसान के गुम हुए डेढ़ लाख रुपये बरामद कर व किसान को लौटाकर सराहनीय कार्य किया। नकदी सुरक्षित मिलने पर किसान अपने पूरे परिवार के साथ थाने पहुंचा और एसएचओ रतनलाल सहित पूरी पुलिस टीम का सम्मान किया। गांव आसरा के माजरा निवासी किसान अजय 13 जून को नई अनाज मंडी में सरसों बेचने आया था। सरसों बेचने के बाद वह करीब 1.50 लाख रुपये लेकर ट्रैक्टर से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान जाटूवास के समीप रास्ते में उसकी नकदी गिर गई। रुपये नहीं मिलने पर किसान ने इसकी शिकायत एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा को दी। एसपी के निर्देश पर मॉडल टाउन थाना प्रभारी रतनलाल ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों से मात्र 48 घंटे में उस व्यक्ति का पता लगा लिया, जिसे सड़क पर नकदी पड़ी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने उससे 1.50 लाख रुपये की राशि बरामद कर किसान अजय को सौंप दी। अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने पर किसान और उसके परिवार ने मॉडल टाउन थाने पहुंचकर एसएचओ सहित पुलिस टीम का आभार जताया।

रेवाड़ी। एसएचओ का सम्मान करते हुए किसान का परिवार। फोटो : हरिभूमि

सुषमा ने लगातार तीसरे साल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

खिलाड़ियों ने हरियाणा स्टेट व प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में दो गोल्ड सहित 4 मेडल जीते

- स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप में 34 में से 31 खिलाड़ियों ने जोनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली स्थित डा. करणी सिंह शूटिंग रेंज हुई हरियाणा स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप एवं हरियाणा प्री स्टेट कंपटीशन में सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड व दो ब्राम्न्ज मेडल जीते है। 11वीं हरियाणा स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप में सुषमा यादव ने 10 मीटर सीनियर मास्टर वूमेन कैटेगरी में स्वर्ण पदक हासिल किया। सुषमा ने लगातार तीसरे साल हरियाणा स्टेट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। वही 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर वर्ग में प्रियांशु यादव ने 400 में से 386 का स्कोर लगाकर कांस्य पदक हासिल किया। फ्री पिस्टल इवेंट 50 मीटर में प्रियांशु यादव 1 प्वाइंट से मेडल से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे। प्री स्टेट कंपटीशन में हितेश ने 25 मीटर सेंटर फायर इवेंट में 300 में से 283 का स्कोर लगाकर स्वर्ण पदक और 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल सीनियर इवेंट में 300 में से 280 का स्कोर लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

रेवाड़ी। पदक विजेता खिलाड़ी कोच रमन राव के साथ। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय कोच रमन राव ने बताया कि सुषमा यादव राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक हासिल कर चुकी है एवं प्रियांशु यादव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशियन शूंटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं। इस साल स्टेट शूंटिंग चैंपियनशिप में 34 में से 31 खिलाड़ियों ने जोनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है। जोकि जिले के खिलाड़ियों की बड़ी उपलब्धि है। सरकार भी खेल में पूरा योगदान कर रही है।

जब समाज कुरीतियों से घिरा हुआ था तो संत कबीर ने मानवता की राह पर चलना सिखायाः राव नरबीर

- कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने गांव गुड़ियानी में संत कबीर दास के 628वें प्रकट दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

हरियाणा के उद्योग, वाणिज्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि संत किसी वर्ग, जाति विशेष के नहीं होते, अपितु सर्व समाज की भलाई के लिए उनका इस धरती पर अवतरण होता है। जब समाज कुरीतियों से घिरा हुआ था तो संत कबीर दास ने हमें उस समय मानवता की राह पर चलना सिखाया। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह रविवार को गांव गुड़ियानी में संत कबीर दास के 628वें प्रकट दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे खुद भी एक ऐसे परिवार से आते हैं, जहां जाति बंधन कभी नहीं रहा। उनके दादा व अहीरवाल में शिक्षा की अलख जगाने वाले नेता, राव मोहर सिंह ने घर पर सदा सभी वर्गों को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने ही प्रदेश में महापुरुषों की जयंती मनाए जाने की परंपरा शुरू की। पूर्व में मुख्यमंत्री रहे तथा वर्तमान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने सीएम हाउस का नाम संत कबीर कुटीर रखा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनहित को सर्वोपरि मानते हुए सुशासन से परिपूर्ण सरकार चला रहे हैं। युवाओं को योग्यता के नाम पर रोजगार दिया जा रहा है, जिसका सबसे अधिक फायदा महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिले को हुआ है। समान रूप से हरियाणा के सभी जिलों का विकास कराया जा रहा है। सरकार ने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू करने की सराहनीय पहल की। इस अवसर पर मंत्री राव नरबीर सिंह ने कबीर आश्रम गुड़यानी में हाल का निर्माण कराने के लिए 21 लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा की।

रेवाड़ी। समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

समारोह में ये मौजूद रहे

समारोह में पूर्व मंत्री विक्रम सिंह, एसडीएम विजय कुमार यादव, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, अभिमन्यु यादव, प्रदीप राजपुरा जैलदार, पार्षद धर्मवीर भांगरोला, धर्मेंद्र खटाना, नरेंद्र सरपंच, होशियार सिंह नंबरदार व ओमप्रकाश डाबला सहित अनेक लोग मौजूद थे।

जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई

एचटेट परीक्षा: 4 और 5 जुलाई को, 14 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

रेवाड़ी। गत वर्ष जुलाई माह में हुए एचटेट एग्जाम का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

- पहले दिन लेवल-3 और दूसरे सुबह के सत्र में लेवल-2 व शाम को लेवल-1 का होगा एग्जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की जाने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिले में 4 व 5 जुलाई को 23 परीक्षा केंद्रों पर एचटेट परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। दो दिन तीन सत्रों में होने वाली परीक्षा में करीब 14 हजार 282 अभ्यर्थी शामिल होंगे। एचबीएसई और जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा को पारदर्शी, नकल रहित व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जाएंगे।

अभ्यर्थियों को बिना फोटो युक्त पहचान पत्र के परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा केंद्र पर जांच के बाद अभ्यर्थियों की बायोमैट्रिक हाजरी भी लगवाई जाएगी। जिले में 4 जुलाई को शाम के सत्र में लेवल-3 की परीक्षा 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। 5 जुलाई को सुबह के सत्र में लेवल-2 का पेपर होगा, जिसमें सभी 23 केंद्रों पर परीक्षा होगी। वहीं 5 जुलाई को ही शाम के सत्र में लेवल-1 की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

नेत्रहीन व दिव्यांगों को मिलेगा अतिरिक्त समय

एचटेट परीक्षा में नेत्रहीन व दिव्यांग अभ्यर्थियों को 20 मिनट प्रति घंटे के हिसाब से 50 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। परीक्षा में महिला अभ्यर्थियों को केंद्र में प्रवेश के लिए केवल मंगलसूत्र पहनने, बिंदी और सिंदूर लगाने की ही छूट मिलेगी। इसके अलावा आभूषण जैसे सोने-चांदी की चेन, अंगूठी, बालियां व ब्रेसलेट आदि पहनकर आने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। सिख अभ्यर्थियों को धार्मिक आस्था के चिह्न साथ ले जाने की अनुमति होगी।

जैमर और सीसीटीवी का रहेगा प्रबंध

परीक्षा को पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी 23 केंद्रों पर जैमर लगाए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक परीक्षा कक्ष की सीसीटीवी कैमरों से लाइव निगरानी होगी तथा वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। परीक्षा केंद्र में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ और कर्मचारियों को फोटोयुक्त पहचान पत्र पहनना अनिवार्य होगा। बिना पहचान पत्र के केंद्र में एंट्री नहीं मिलेगी।

परीक्षा केंद्रों के बाहर रहेंगे पुख्ता प्रबंध

परीक्षा केंद्रों के बाहर पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने या आग्नेय अस्त्र लेकर आने पर भी पाबंदी रहेगी। परीक्षा के समय आस-पास सभी फोटो स्टेट, फैक्स, जेरॉक्स और अन्य संचार सम्बंधित सभी दुकानें बंद रहेंगी। इसके अलावा एचटेट परीक्षा के दौरान यातायात को सुचारू रूप से चलाने के लिए मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक जवानों की अतिरिक्त नियुक्ति की जाएगी।

सीसीटीवी से होगी निगरानी

एचटेट परीक्षा को पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। 4 व 5 जुलाई को तीन सत्रों में परीक्षा का आयोजन होगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर व सीसीटीवी कैमरे सहित सुरक्षा के पूरे इंतजाम रहेंगे।

- डा. अशोक नामवाल, डीएमएस, रेवाड़ी

हर नागरिक को सीधे जनसेवा और राष्ट्रहित के संकल्प से जोड़ता है 'मन की बात': डा. बनवारी

- पूर्व कैबिनेट मंत्री ने 30 जून को कृषि महाविद्यालय बावल में सीएम व केंद्रीय कृषि मंत्री के आगमन को लेकर दिया निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

रेवाड़ी। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व मंत्री। फोटो : हरिभूमि

रविवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल के बावल स्थित कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री ने क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 135वां संस्करण सुना। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि 'मन की बात' सिर्फ एक रेडियो कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देश के कोने-कोने में बैठे करोड़ों भारतीयों के सामूहिक पुरुषार्थ, उनकी अटूट निष्ठा और सकारात्मक परिवर्तन की धड़कन है। आज यह एक ऐसा सशक्त माध्यम बन चुका है, जो देश के हर नागरिक को सीधे जनसेवा और राष्ट्रहित के संकल्प से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में मुख्य रूप से राष्ट्र निर्माण और जनभागीदारी का मंत्र दिया है। उन्होंने देश में हो रहे नवाचार और युवा शक्ति की असीम ऊर्जा को विशेष रूप से सराहा। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण और हमारी समृद्ध संस्कृति के गौरव को संजोने का आह्वान किया। डा. बनवारी लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का एक-एक शब्द हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने दायित्वों को निभाने और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है।

कृषि कॉलेज में सीएम के कार्यक्रम का दिया निमंत्रण

कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री ने क्षेत्रवासियों को आगामी 30 जून को कृषि कॉलेज बावल के कार्यक्रम का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश के मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिरकत करेंगे। इस मौके पर मांगेराम शर्मा, ओम प्रकाश चौहान, दीनदयाल सैनी और मंडल अध्यक्ष अमरजीत सहित क्षेत्र के अनेक सरपंच, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकता मौजूद थे।

दुकानदारों ने भीषण गर्मी में छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई

मूंदी। रविवार को दुकानदारों की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए नांगल मूंदी बस स्टैंड पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। छबील पर हजारों लोगों ने पानी पीकर प्यास बुझाई। समाजसेवी देशराज ने कहा कि गर्मी के मौसम में पानी पिलाने का बड़ा पुण्य है। सामाजिक संगठनों को समय-समय पर एसे कार्य करते रहना चाहिए। लोगों को गर्मी के मौसम में बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए भी पानी व भोजन का प्रबंध करना चाहिए। दुकानदारों की ओर से सुबह 9 बजे लगाई गई छबील पर शाम 4 बजे तक सेवा जारी रही। इस कार्य में सतबीर, सुरेश, रवि, रमेश, बलजीत, बलवान, हितेश, परमोद, काकू, विकास और इंद्रपाल सहित अनेक दुकानदारों ने सहयोग दिया।

बच्चों को पिलाई पोलियो ड्राप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर बीकानेर में पोलियो मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई गई। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखते हुए देश को पूर्ण रूप से पोलियो मुक्त बनाना है। इस मौके पर जिला पार्षद सरोज मेहरा, समाजसेवी धनीराम मेहरा व मीनाक्षी मेहरा ने सहयोग दिया। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को समय-समय पर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाए।

कार्यकर्ताओं ने विधायक के साथ सुनीं पीएम की 'मन की बात'

रेवाड़ी। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम के135वें संस्करण को भाड़ावास रोड़ स्थित बूथ संख्या-194 पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री हिंदुस्तान के प्रत्येक वर्ग, क्षेत्र, व्यक्ति, संस्था समेत आमजन की प्रत्येक आवश्यकता पर कितनी बारिकी से नजर रखते हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने मन की बात कार्यक्रम में उन सभी पहलुओं पर प्रमुखता के आधार पर अपना विजन रखा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि जब तक विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो जाता, तब तक प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पूरी क्षमता के साथ देश सेवा के लिए समर्पित रहना है। इस मौके पर सत्यदेव यादव, दीपक मंगला, डा. आत्मप्रकाश, डा. अंजू, डा. शिवरतन व संजय चौहान सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

यादव सभा के निःशुल्क कैंप में 125 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में 125 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। सभा की ओर से सभी मरीजों को फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, न्यूरो सर्जरी, नेत्र रोग, दंत रोग, चर्म रोग और बाल रोग के मरीजों का ओपीडी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशि भूषण,अमर सिंह, गोकल राम, विजय पाल, प्रो. सतीश, अशोक, राजेश व पवन ने सहयोग प्रदान किया।